इन्दौर। ज्योतिरादित्य सिंधिया केंद्रिय उद्योग राज्य मंत्री को ईश्वरीय सौगात भेट करते हुए ब्र.कु.हेमलता बहन, ब्र.कु.उषा बहन एवं ठाकुर सिंह मकवाना।

धमतरी। ब्र.कु.सरिता बहन को 'आत्म अनुभूति तपोवन' में वृक्षारोपण करने के पश्चात् 'स्मृति चिन्ह' भेंट कर सम्मानित करते हुए महिला क्लब की महिलायें।

सीतामऊ । संस्था के अमृत महोत्सव ब्र.कु.प्रभा मिश्रा, मंदसौर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. समिता सीतामऊ सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु.कृष्णा, डॉ. सेठिया, नगर पंचायत उपाध्यक्ष दीपक राठौर, विधायक राधेश्याम पाटीदार एवं जनपद अध्यक्ष दशरथ सिंह।

रतलाम। पूज्यपाद स्वामी श्री चिदंबरानंद जी महाराज को ईशवरीय सौगात देते हुए ब्र.कु.सविता, ब्र.कु.संगीता, ब्र.कु.आरती एवं राजेन्द्र पोरवाल।

कोटा। नवनिर्मीत भवन (शक्ति सरोवर) में गृह प्रवेश के अवसर पर केक काटते हुए इन्दौर ज़ोन के क्षैत्रीय निदेशक ब्र.कु.ओमप्रकाश भाई जी

ओंकारेश्वर। ओंकारेश्वर मंदिर के मुख्य ट्रस्टी रावदेवेन्द्र सिंह को ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात् सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.अंजु बहन।

परिस्थितियों के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक बनाये

रायपुर। राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्रियंका ने कहा कि सफलता पाने के लिये हरेक घटना के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखना जरुरी है। परिस्थितियां कैसी भी क्यों न हो , उनसे विचलित होने के बजाये अपने मन को शांत रखने का प्रयत्न करना चाहिये। चूंकि परिस्थितियों को बदलना हमारे लिये सम्भव नहीं, अत: हमें परिस्थितियों के प्रति अपने दृष्टिकोण को बदलना होगा।

ब्रह्माकुमारी प्रियंका पं.जवाहर लाल नेहरु स्मृति मेडिकल कालेज के प्रिवेन्टीव मेडिसीन विभाग के छात्रों को सकारात्मक दृष्टिकोण विषय पर सम्बोधित कर रही थी। राजयोगा एज्यूकेशन एण्ड रिसर्च फाउन्डेशन के मेडिकल विंग के द्वारा शांति सरोवर में आयोजित कार्यक्रम में बडी संख्या में मेडिकल के छात्र-छात्राओ ने भाग लिया।

ब्रह्माकुमारी प्रियंका ने आगे कहा कि जीवन में हमें अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। कई परिस्थितियां ऐसी भी आती है, जो कि हमें विचलित होने के लिये मजबूर कर देती है। ऐसी परिस्थितियों में सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि हम उसका सामना किस तरह से करते हैं। चूंकि परिस्थितियां हमारे वश में नहीं होती अत: परिस्थितियों के प्रति हमारे दृष्टिकोण को बदलना होगा।

उन्होने आगे कहा कि हमेशा यह सोचें कि दुनियां मे जो कुछ भी हो रहा है, वह कल्याणकारी है, उसके पीछे कुछ न कुछ कल्याण समाया हुआ है। ऐसा सोचने से तनाव कम हो जायेगा। उन्होंने कहा कि जीवन एक यात्रा के समान है और इस यात्रा में हम ईश्वर को अपना साथी जरूर बनायें। इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा और चिंता व भय से मुक्त हो सकेंगे।

ब्रह्माकुमारी प्रियंका ने कहा कि जीवन के प्रति हमारा जैसा दृष्टिकोण होता है, वह हमारे विचारों को प्रभावित करता है। उन्होंने एक प्रेरक वृतांत सुनाते हुये कहा कि एक बार एक आदमी ने साधू से पूछा कि हमारे जीवन का उद्देश्य क्या होना चाहिये? जवाब में कुछ कहने के बजाये साधु उसे एक ऐसे घर ले गया जहां पर एक व्यक्ति की मृत्यू हो गई थी और लोग अपने-अपने तरीके से उसे याद कर रहे थे। एक ने कहा क्यों चला गया, बहुत अच्छा आदमी था। दूसरे ने कहा बहुत अच्छा सहयोगी था। उसके जाने से मुझे व्यक्तिगत रूप से बहुत नुकसान हुआ है। तीसरे ने कहा बहुत अच्छा हुआ चला गया, बहुत रोब झाड़ता था। साधु ने उस व्यक्ति से पूछा कि तुम सोचों, उस व्यक्ति की जगह तुम होते तो अपने बारे में लोगों से क्या सुनना पसंद करते? बस वही तुम्हारे जीवन का लक्ष्य होना चाहिये। अर्थात हम ऐसा कर्म करें जो इस संसार से जब जाये तो पीछे अपनी छाप छोड़कर जाएं।

समाचार पत्रों को बनना चाहिए सदाचार पत्र

झालावाड। ज्ञानोदय भवन में मूल्यनिष्ठ मीडिया संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अक्षय सक्सेना न्यूज चीफ दैनिक भास्कर, शादान, ब्यूरो चीफ राजस्थान पत्रिका एवं दिनेश सक्सेना अध्यक्ष प्रेस क्लब कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्रह्माकुमारी मीना बहनजी ने की।

दिनेश सक्सेना ने अपने उद्बोधन में कहा कि एक जमाना था जब मीडिया एक मिशन था, परन्तु आज के समय में तो मीडिया पर व्यावसायिकता हावी है। उन्होंने बीच का रास्ता निकालने की वकालत की। मौजुदा हालात् में पत्रकारिता में गिरते मूल्यों का समाधान आध्यात्मिकता के द्वारा ही संभव है। अक्षय सक्सेना ने मीडिया की मौजुदा चुनौतियों का हवाला देते हुये कहा कि आज मीडिया में सच्चाई, निष्पक्षता एवं निर्भीकता को स्थान देना मुश्किल होता जा रहा है। एक तरफ हमारे मूल्य है तो दूसरी ओर विभिन्न प्रकार के दबाव। ऐसे में मीडियाकर्मी तनाव एवं अंतर्द्वंद का अनुभव करते हैं। ऐसे में मेडिटेशन के द्वारा तनावमुक्त जीवन कैसे बनाये यह सीखने की जरुरत है।

शादान ने कहा कि आज मीडिया अपने जन कल्याण के लक्ष्य से भटक चुका है। आध्यात्मिकता के समावेश से तनावमुक्त जीवन एवं जनोपयोगी पत्रकारिता के लक्ष्य की पूर्ति होगी। ब्र.कु.मीना ने मूल्यों के महत्व को स्पष्ट करते हुये कहा कि जीवन मूल्य एक दिशा सूचक यंत्र की तरह मनुष्य को सही राह दिखाता है। इन पर चलने से ही सुख शांतिमय जीवन की मंजिल पर पहुंच सकता है। मीडिया अपने सामाजिक दायित्वों का सही निर्वाह तभी कर सकता है जब वह मूल्यों पर आधारित होगा। कलम की शक्ति तलवार से भी ज्यादा है। मीडिया समाज का आइना है एवं विश्व परिवर्तन का एक सशक्त माध्यम है। परन्तु मूल्य विहीन मीडिया पथभ्रष्ट एवं

अप्रासंगिक है। मीडियाकर्मी भी समाज का एक अंग है। अत: वे भी समाज में गिरते नैतिक मूल्यों से अछूते नहीं है। आध्यात्मिक ज्ञान द्वारा स्वयं का वास्तविक परिचय एवं अपनी आन्तरिक शक्तियों को जानने से आत्मिक शक्ति का विकास होता है एवं मूल्यों पर आधारित जीवन हमें हर परिस्थिति में निर्भय बनाता है। तनाव मुक्त जीवन के लिये राजयोग मेडिटेशन की उपयोगिता पर उन्होंने प्रकाश डाला। आपने समाचार पत्रों को सदाचार पत्र बनाने की अपील की। उन्होंने बताया कि नकारात्मक समाचारों का मन पर गहरा दुष्प्रभाव पडता है। ऐसे में सकारात्मक पत्र, सकारात्मक खबरों को ही उचित स्थान देकर समाज को सन्मार्ग पर लाने के लिये प्रेरक बन सकते है। समाचार पत्रों की जनमत तैयार करने मे गहरी भूमिका है। ब्र.कु.डॉ.मानस शर्मा ने बताया कि एक ओर जब मौजुदा सामाजिक ढांचे की जरजर अवस्था है ऐसे में ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की इस वर्ष की थीम समय की पुकार परमात्म शक्ति द्वारा स्वर्णिम युग की स्थापना द्वारा मानवता को एक आशा का संदेश दे रहे है ।

कोटा। हाड़ोती क्षैत्र के निवासीयों को नगर आगमन पर ईश्वरीय संदेश देते हुए इन्दौर ज़ोन के क्षैत्रीय निदेशक ब्र.कु.ओमप्रकाश भाई जी।